units borrowing and the amount advanced. The term lending institutions and banks, who have since built up necessary expertise have been meeting the requirements of the Industry.

Attaching 2nd Class compartment to Kashmir Mail and Srinagar Express from Pathankot

6894. SHRI GANGA SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether his Ministry has received any proposals for attachment of additional Second Class compartments to Kashmir Mail and Srinagar Express from Pathankot; and

(b) if so, the reasons for not acceding to the request?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS): (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). Yes. One 3-tier sleeper and one 2-tier sleeper by 177/178 Jhelum Express and one ordinary second class coach by 33|34 Jammu Tawi Mail are, at present, provided for passengers from pathankot. Provision of additional slip coaches from Pathankot by these trains is not feasible for want of room on these trains.

राजस्थान के मरुस्थली क्षेत्रों में सड़कों का विकास

6895. श्री राम किशन : क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान के मरुस्थली क्षेत्रों में सड़कों का विकास समुचित रूप से नहीं हुआ है;

(ख) यदि हां, तो क्या केन्द्रीय सरकार का विचार मरुस्थल विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत सड़कों का निर्माण प्रारम्भ करने का है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस के क्या कारण हैं?

नौवहन और परिवहन मंत्रालय में प्रभारी राज्य मंत्री (श्री चांद राम): (क) संभवतया सदस्य महोदय का आशय राजस्थान में रेतीले क्षेत्रों में केन्द्रीय क्षेत्र कार्यक्रम के अधीन सड़कों के विकास करने से है। राष्ट्रीय राज मार्ग 15 और 11 के विकास कार्यों के अतिरिक्त, राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सड़क कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग 21.5 करोड़ रुपये की लागत से कुल 2125 कि० मी० लम्बाई की सड़कों का विकास किया गया था। इस के अतिरिक्त, राजस्थान के रेतीले क्षेत्रों में सीमा सड़क विकास बोर्ड कार्यक्रम के अधीन कई सड़कों का भी विकास किया जा रहा है।

(ख) और (ग). राजस्थान में 11 जिलों को अर्थात् गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, नागौर, चूरू, झुनझुनू, जोधपुर, सीकर, जालौर, और पाली को मरुस्थल विकास कार्यक्रम में शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम 1977-78 से शुरू किया गया था। सड़कों का विकास कार्य मरुस्थल विकास कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है।

2. गंगानगर और सीकर जिलों को छोड़ राजस्थान के अधिकांश मरुस्थल क्षेत्र एक अलग कार्यक्रम के अन्तर्गत आते हैं जिसे "सूखा-ग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम" कहा जाता है। इस कार्यक्रम के अधीन, विशेष मामले के रूप में दुग्ध मार्गों को शामिल किया गया है ताकि गांवों से दूध इकट्ठा कर के शीतकेन्द्रों में ले जाये जाने में सुविधा हो। इस कार्यक्रम में शामिल की जाने वाली सड़कों की लम्बाई प्रति मार्ग 25 कि०मी० से अधिक नहीं है। इन सड़कों को शामिल किए जाने के लिये यह शर्त भी है कि राज्य सरकार सड़क कार्यक्रम के अधीन सड़कों के लिये उनके प्रावधानों में कमी नहीं करेगी।

Ambassadors Conference in New Delhi

6896. SHRI YADVENDRA DUTT:

SHR RATANSINGH RAJDA:

SHRI PURNA NARAYAN SINHA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a Conference of several Ambassadors addressed the Press in New Delhi on the 5th March, 1979;

(b) whether these Ambassadors and Charges d'Affairs condemned and denounced the aggression of China on Vietnam;

(c) whether Government have considered this Press Conference to condemn the Chinese attack on Vietnam